ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 31 अगस्त 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 128

जंतर-मंतर के छात्रों पर दर्ज FIR पर केंद्र का 'सुप्रीम' दांव,

1 सितंबर को SC में सुनवाई, CJP मार्च को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी, सरकार और युवाओं के बीच फिर आमने-सामने की स्थिति

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 31 अगस्त। जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन से शुरू हुआ विवाद अब एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंच गया है। केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर खत्म कराने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इसकी जानकारी दी। शीर्ष अदालत ने मामले को 1 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दे दी है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम है क्योंकि छात्रों के आंदोलन से जुड़े एफआईआर वापस लेने का मुद्दा ही सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के बीच हुए समझौते के बाद भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ। केंद्र का अब अनुच्छेद 142 के जरिए सीधे सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप कराने का प्रयास इस विवाद में नया मोड़ माना जा रहा है। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को लंबित मामले में 'पूर्ण न्याय' के लिए आवश्यक आदेश देने की विशेष शक्ति देता है।

एक तरफ FIR हटाने की पहल, दूसरी तरफ 5 सितंबर का मार्च

सरकार की इस पहल के बीच सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 5 सितंबर को प्रस्तावित CJP के दिल्ली मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। रिटायर्ड दिल्ली पुलिस अधिकारी राजेंद्र सिंह ने याचिका दायर कर मार्च रोकने की मांग की थी। दलील दी गई कि सितंबर में प्रस्तावित BRICS शिखर सम्मेलन को देखते हुए राजधानी में बड़े प्रदर्शन से सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की चुनौती पैदा हो सकती है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि फिलहाल ऐसा मानने का कोई ठोस आधार नहीं है कि प्रस्तावित मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी। अदालत ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रशासन पर छोड़ते हुए सभी पक्षों से कानून के दायरे में और जिम्मेदारी से काम करने की अपेक्षा जताई। मामले को आगे 10 सितंबर को सुनवाई के लिए रखा गया है।

इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक मार्च का ऐलान

CJP ने 5 सितंबर को इंडिया गेट से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक मार्च का ऐलान किया है। संगठन का कहना है कि 25 जुलाई को आंदोलन समाप्त कराते समय सरकार की ओर से किए गए आश्वासनों को पूरी तरह लागू नहीं किया गया। मार्च में NEET से जुड़े मामलों में जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों, कथित पुलिस कार्रवाई से प्रभावित लोगों, छात्रों और युवा संगठनों के शामिल होने की बात कही गई है।

चलती स्लीपर बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप, ड्राइवर-कंडक्टर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा से कथित गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है, जबकि पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मामले में बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। दोनों पर छात्रा को बस में बैठाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म करने और विरोध करने पर धमकी देने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली और 11वीं कक्षा की छात्रा पारिवारिक विवाद के बाद बिना बताए नोएडा में अपनी कजिन के घर जाने के लिए निकली थी। भारी बारिश और अंधेरे के बीच वह गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान एक खाली स्लीपर बस वहां से गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया। आरोप है कि ड्राइवर और कंडक्टर ने उसे बस में बैठाया और बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। बस चलने के कुछ देर बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद दोनों आरोपियों ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

47 किमी तक चलती रही बस

पुलिस के मुताबिक, आरोपी छात्रा को देर रात कश्मीरी गेट के पास रिंग रोड पर उतारकर फरार हो गए। परी चौक से कश्मीरी गेट तक बस करीब 47 किलोमीटर चली। छात्रा ने रात में ही कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। शिकायत के बाद कोतवाली एसीपी शंकर बनर्जी के नेतृत्व में जांच टीम बनाई गई। पुलिस ने बस के रूट पर लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली और बस की पहचान की। इसके बाद तिमारपुर की एक बस पार्किंग से कुलदीप और संदीप को गिरफ्तार किया गया। वारदात में इस्तेमाल बस को भी जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

खराब बस की मरम्मत के बाद लौट रहे थे आरोपी

पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना वाले दिन बस में खराबी आई थी। आरोपी उसे सूरजपुर, नोएडा की एक वर्कशॉप में मरम्मत के लिए ले गए थे। मरम्मत के बाद दोनों खाली बस को तिमारपुर ले जा रहे थे। इसी दौरान परी चौक पर छात्रा ने बस रोकने का इशारा किया। बस के अंदर लगे पर्दों को भी पुलिस जांच में अहम मान रही है। आरोप है कि पर्दों से ढके स्लीपर हिस्से का इस्तेमाल वारदात को बाहर से छिपाए रखने के लिए किया गया। बस का रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का बताया गया है और उसका नंबर UP-83 से शुरू होता है। पुलिस बस की फोरेंसिक जांच के साथ मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों को भी जुटा रही है।

2012 के निर्भया कांड की यादें फिर ताजा

चलती बस में सामने आया यह मामला 16 दिसंबर 2012 के निर्भया कांड की भयावह यादें भी ताजा करता है। उस मामले में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। गंभीर चोटों के चलते 29 दिसंबर 2012 को उसकी मौत हो गई थी। मामले में चार दोषियों मुकेश सिंह, पवन गुप्ता, विनय शर्मा और अक्षय कुमार सिंह को 20 मार्च 2020 को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी।

राजस्थान भाजपा में टिकट बंटवारे के बीच दो बड़े नेताओं की तबीयत बिगड़ी

सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा निजी अस्पताल से डिस्चार्ज, UDH मंत्री झाबर सिंह खर्रा SMS में भर्ती; तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड निगरानी में

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। नगर निकाय चुनाव में टिकट वितरण के बीच राजस्थान भाजपा के लिए सोमवार का दिन राजनीतिक हलचल के साथ स्वास्थ्य संबंधी घटनाक्रम को लेकर भी चर्चा में रहा। सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा की रविवार देर शाम अचानक तबीयत बिगड़ गई, जबकि UDH मंत्री झाबर सिंह खर्रा को स्वास्थ्य खराब होने के बाद जयपुर के SMS अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा की रविवार देर शाम तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजन उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने करीब 4 से 5 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। बताया जा रहा है कि सिविल लाइन्स क्षेत्र में नगर निगम चुनाव के टिकट वितरण को लेकर चल रहे विवाद के बीच उनकी तबीयत बिगड़ी। इधर, UDH मंत्री झाबर सिंह खर्रा की सोमवार सुबह घर पर तबीयत खराब हुई। उन्हें बुखार, खांसी और सांस लेने में हल्की तकलीफ की शिकायत बताई गई। चेस्ट इंफेक्शन की शिकायत के बाद उन्हें दोपहर करीब 1:30 बजे SMS अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। उन्हें ICU में ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड कर रहा निगरानी

SMS अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी के अनुसार मंत्री खर्रा को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखने के लिए तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है। मेडिकल बोर्ड में जनरल मेडिसिन विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. अभिषेक अग्रवाल, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग के डॉ. संदीप माथुर और जनरल मेडिसिन विभाग के डॉ. शशि भूषण को शामिल किया गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर रही है। नगर निकाय चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने और टिकट वितरण को लेकर कई स्थानों पर सामने आए असंतोष के बीच गोपाल शर्मा और झाबर सिंह खर्रा की तबीयत बिगड़ने की खबर ने भाजपा के राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है।

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोर्न एप दिखाकर साइबर ठगी:हैकर्स डेटा चुराकर बैंक खाते खाली कर रहे, गृह मंत्रालय ने 7 एप्स से बचने को कहा

24 न्यूज अपडेट

सोशल मीडिया पर विज्ञापनों के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाने का एक नया पैटर्न सामने आया है। गृह मंत्रालय की साइबर विंग नेशनल साइबरक्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट (NCTAU) ने एक एडवाइजरी जारी की है।

जांच एजेंसी ने पाया है कि जालसाज फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोर्न एप्स के विज्ञापन चलाकर लोगों के बैंक खाते खाली कर रहे हैं। स्मार्टफोन यूजर्स को निशाना बनाने वाले इस फ्रॉड को लेकर सरकार ने अलर्ट रहने को कहा है।

गृह मंत्रालय ने 7 संदिग्ध एप से दूर रहने को कहा

गृह मंत्रालय की विंग ने कुछ संदिग्ध एप्स के नामों का खुलासा किया है, जो इस समय सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा एक्टिव हैं। सरकार ने मुख्य रूप से इन नामों और इनके जैसे अन्य वैरिएंट्स से बचने की सलाह दी है।

पोर्न एप्स के नाम पर APK फाइल डाउनलोड करा रहे ठग

NCTAU की रिपोर्ट के मुताबिक, साइबर अपराधी फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं। यहां वे एडल्ट या पोर्नोग्राफिक कंटेंट का झांसा देने वाले विज्ञापन चलाते हैं।

जब यूजर इन विज्ञापनों पर क्लिक करता है, तो उसे एक बाहरी वेबसाइट पर पहुंचा दिया जाता है। इस वेबसाइट पर जाने के बाद यूजर के सामने एक पॉप-अप आता है, जिसमें उसे एक APK फाइल यानी एप डाउनलोड करने के लिए उकसाया जाता है।

संपादकीय : त्रासदी के सबक

नेपाल और तिब्बत के सीमांत इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ के कारणों का विश्लेषण और नतीजों का आकलन अभी जारी रहेगा, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर इस जरूरत को ने रेखांकित किया है कि आशंकाओं की अनदेखी या उसके प्रति उदासीनता का परिणाम क्या हो सकता है। नेपाल का जो समूचा इलाका हिमनद टूटने की वजह से तबाह हो गया, जानमाल की व्यापक क्षति हुई, उसका आम लोग भले ही ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सके होंगे, लेकिन सरकार की नजर स्थानीय उथल-पुथल के संकेतों पर रहनी चाहिए थी । साथ ही अन्य देशों में ऐसी स्थितियों के असर की आशंका हो, तो वहां की एजेंसियों के साथ तालमेल से कुछ एहतियाती कदम उठाए जा सकते थे। खासतौर पर तब, जब नेपाल- तिब्बत के इस इलाके में बर्फ और चट्टानों वाला हिमस्खलन होने और उसकी वजह से बाढ़ आने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। ऐसे में सावधानी बरतना एक नियमित तकाजा था। हालांकि यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, लेकिन अगर अचानक उपजने वाले खतरों को ध्यान में रख कर बचाव के पूर्व- इंतजाम किए जाएं, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जाहिर है, अब नेपाल को अगले कुछ समय तक के लिए तबाह हो गए इलाकों में बचे-खुचे को संभालने, लापता लोगों की खोज, पुनर्वास और पुनर्निर्माण को लेकर कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बेशक वह अपने स्तर पर यह सब करने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसे समय में दूसरे देशों की सहायता भी काफी मायने रखती है। प्रभावित सभी इलाकों में हुए नुकसान का आकलन सामने आने के बाद पूरी तस्वीर साफ होगी, लेकिन फिलहाल नेपाल के वित्त मंत्री का कहना है कि इस प्रलयंकारी बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई के लिए देश को चार-पांच अरब डालर की जरूरत होगी। यह समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहे नेपाल के सामने अब इस त्रासदी की वजह से जो मुश्किल पैदा होगी, उससे निपटना उसके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा, इस बात का अध्ययन करने की जरूरत है कि व्यापक तबाही वाली इस बाढ़ की प्रकृति, रफ्तार और नुकसान पहुंचाने का दायरा इतना अलग क्यों था और इसकी वजहें क्या होंगी। दरअसल, इस आपदा का जो स्वरूप सामने आया, उसे समझना न केवल नेपाल, बल्कि उससे सटे देशों के लिए भी इसलिए जरूरी है कि अगर इसका दायरा और बड़ा हुआ तो इसकी जद में खासतौर पर भारत के भी कई इलाके आएंगे। इसलिए अब भारत को न केवल तिब्बत, चीन और नेपाल में होने वाली प्राकृतिक उथल-पुथल को लेकर ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है, बल्कि अपनी सीमा में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्कम जैसे इलाकों में मौजूद हिमनद झीलों के खतरों के प्रति भी एहतियाती उपाय अभी से करने होंगे। हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन केंद्र के अध्ययन के मुताबिक, सतलुज नदी के क्षेत्र में हिमानी झीलों की संख्या 2019 के 562 से बढ़ कर 2023 में 1,048 हो गई। इन झीलों के विस्तार और इनसे संभावित खतरों को नजर अंदाज करना व्यापक नुकसान को न्योता देने की तरह होगा। अक्तूबर, 2023 में सिक्किम के दक्षिण ल्होनक झील के टूटने से जो तबाही हुई, वह एक उदाहरण है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि नेपाल में इस विनाशकारी त्रासदी को एक सबक के तौर पर देखा जाए और उसी मुताबिक बचाव के लिए एहतियाती कदम उठाए जाएं।

नशे के विरुद्ध

देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता अवैध कारोबार व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। इससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं पैदा हो रही हैं, बल्कि घरेलू कलह, हिंसा और अन्य आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। खासकर युवा पीढ़ी इससे ज्यादा प्रभावित हो रही है और घरेलू स्तर पर इसकी मार महिलाओं और बच्चों को झेलनी पड़ती है। सरकार की ओर से नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन इन्हें धरातल पर उतारने की गंभीरता कम ही नजर आती है। ऐसी स्थिति में विभिन्न राज्यों में सामाजिक स्तर पर नशे के खिलाफ मुहिम चलाने के प्रयास होते रहे हैं। इसी क्रम में अब उत्तराखंड में देहरादून के थानी गांव में महिलाओं ने नशे के विरुद्ध मोर्चा संभाला है। ये महिलाएं शाम होते ही गांव की गलियों में निकल आती हैं और हर आने-जाने वाले पर नजर रखती हैं। इनका मकसद गांव को मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से दूर रखना है। महिलाओं का यह साहस और प्रतिबद्धता निश्चित तौर पर एक स्थायी बदलाव की दिशा में सराहनीय प्रयास है, लेकिन इससे सरकारी तंत्र की व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े होते हैं। गौरतलब है कि देश में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार का जाल अब ग्रामीण इलाकों तक पहुंच गया है। स्कूल-कालेजों में पहने वले विद्यार्थी और बरोजगार युवा मादक पदार्थों के तस्करों का आसान निशाना बन रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि सामाजिक स्तर पर भी नशे के खिलाफ व्यापक मुहिम चले। हालांकि, देहरादून के गांव में महिलाओं ने जो बीड़ा उठाया है, वह आसान नहीं है। दिनभर घर के कामकाज में व्यस्त रहना और रात को गांव की गलियों में पहरा देना दूसरे लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है। इस तरह की मुहिम इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर सरकार किसी राज्य या जिले में मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, तो मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से जुड़े लोग वैध- अवैध वैकल्पिक रास्ता तलाश लेते हैं। मगर, जब सामाजिक स्तर पर बदलाव का प्रयास किया जाए, तो उसके परिणाम समस्या के स्थायी समाधान के रूप में सामने आ सकते हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि संबंधित सरकारी महकमे या सुरक्षा एजंसियों की जिम्मेदारी कम हो जाती है।

कलेक्ट्रेट के बाहर रास्ते बंद, जुलूसों से शहर में जाम, प्रशासन की प्लानिंग पर सवाल—क्या जनता की सुविधा से ज्यादा जरूरी थी नेताओं की सहूलियत?

24 न्यूज अपडेट

ये लोकतंत्र का महोत्सव है मगर इसमें जनता की भावनाओं की कोई कद्र नहीं है। जनता का क्या है जिधर चाहोगे, उधर हांकते चले जाओगे। कोई कुछ कहने वाला नहीं है। कभी कभी तो लगता है ब्यूरोक्रेसी और पोलिटिकल पार्टियों के नेक्सस ने पूरे सिस्टम को ही मजाक बना कर रख दिया है। उदयपुर में आज नगर निकाय चुनावों के नामांकन के अंतिम दिन इसका नमूना देखने को मिला। जिला कलेक्ट्रेट के बाहर रास्ते बंद कर दिए गए और नामांकन करने वालों की कलेक्ट्रेट परिसर में भारी भीड़ देखी गई। एमबी अस्पताल आने जाने वालों और कलेक्ट्रेट में जरूरी काम को आए लोगों को खासी परेशानी हुई। पूरे दिन मेला लगा रहा। शहर की सड़कों पर भी बिना पूर्व सूचना के जुलूस जलसे निकाले गए जिससे लोग घंटों जाम में फंस गए। अब सवाल उठ रहा है कि क्या अंतिम दिन ही नामांकन करना उचित था। जबकि पोलिटिकल पार्टियों को इसके लिए पर्याप्त समय दिया गया था मगर उन्होंने भितरघात और असंतोष से बचने व अपनी सहुलियत के लिए ऐन मौके पर प्रत्याशी तय किए और रोड जाम करके नामांकन करवाए। इससे हालात मेले जैसे बन गए। बाहर रास्ते जाम कर दिए गए। लोग कहने लगे कि ये जनता के हितों के रक्षक हैं या भक्षक। इन सबके बीच जिला प्रशासन ने फिर साबित कर दिया कि उसकी नजरों में जनता कीड़े मकौड़े जैसी है। प्रशासन की प्लानिंग में नेता सर्वोपरी रहे, जनता जाए भाड़ में। रास्तों के डाइवर्ट करने का एक भी रूट चार्ट या चेतावनी प्रशासन ने जारी नहीं किया। कलक्ट्रेट के बाहर एलिवेटेड रोड का काम चल रहा है, पहले से रास्ता ब्लॉक है मगर जिला प्रशासन के ए सी में बैठने वाले अफसरों ने जान बूझकर नामांकन की प्रक्रिया कलेक्ट्री में ही रखी। जनता पूछ रही है कि क्या कलेक्ट्री में नामांकन का ठेका था क्या??? गांधी ग्राउंड या फिर खेलगांव या किसी आउटर एरिया में भी इसे आसानी से किया जा सकता था। अंतिम दिन वेन्यू भी बदला जा सकता था। लोग कह रहे हैं कि वे रोड जाम की नौटंकी से तंग आ गए हैं। अगर पांचवीं के विद्यार्थी के फार्म ओनलाइन भरे जा सकते हैं तो फिर निकाय चुनाव के फार्म ओनलाइन भरने में कौनसा पहाड़ टूट रहा है। बाद में फिजिकल और बायो मेट्रिक वेरिफिकेशन आसानी से हो सकता है। मगर नेता अफसरों से मिले हुए हैं और राजनीतिक दल हित साधते हैं इसलिए उनको खुली छूट है जो मर्जी आए करो। जनता को चाहिए कि अफसरों व नेताओं से सवाल करें कि अगर हमारे बच्चों के फार्म ओनलाइन भरे जा सकते हैं तो चुनावों के ऐसा क्यों नहीं होता। अगर नहीं तो कम से कम ऐसे वेन्यू तो तय हो सकते हैं जहां पर पर्याप्त जगह की गुंजाइश हो। इसे तय करने में अगर जिला प्रशासन सक्षम नहीं हो तो किसी काबिल व्यक्ति की राय ले ले। अगर आप जनता के रूप में सवाल करेंगे और जवाब मांगेंगे तभी सिस्टम सुधरेगा वरना नेता व अफसर मिलकर यूं ही सड़कों की छाती पर मूंग दलते रहेंगे। आपको यह खबर कैसी लगी हमें कमेंट करके बताइये और चैनल को सब स्काइब व खबर को लाइक, शेयर करना ना भूलें।

देवेंद्र माली निर्दलीय मैदान में; ट्रांसजेंडर मीरा राठौड़ ने भी दाखिल किया नामांकन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। नगर निगम चुनाव-2026 के लिए सोमवार को नामांकन का आखिरी दिन रहा। कलेक्ट्रेट में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को समर्थकों के साथ टाउनहॉल परिसर में एकत्र कर वहां से कलेक्ट्रेट पहुंचाया। कांग्रेस ने एक दिन पहले ही सभी 80 वार्डो के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी थी। सोमवार को कांग्रेस के कई प्रमुख चेहरों ने भी पर्चे दाखिल किए। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा की बहू हिताशी शर्मा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतहसिंह राठौड़ की पत्नी डॉ. पूनम राठौड़, पिछली बार महापौर पद का चुनाव लड़ चुके अरुण टांक, गजेंद्र सिंह शक्तावत, शंकर चंदेल, नीना अग्रवाल, महिमा चुघ, सीमा आचार्य, लोकेश मेघवाल और मीना बानो सहित कई प्रमुख नाम शामिल रहे। नामांकन के साथ ही दोनों प्रमुख दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष भी सामने आया। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर देवेंद्र माली ने वार्ड 54 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। वहीं वार्ड 60 से ट्रांसजेंडर प्रत्याशी मीरा राठौड़ ने भी निर्दलीय नामांकन भरा। उन्हें शिवसेना शिंदे गुट का समर्थन मिला है।

बूथ पर मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित, पहचान पत्र की कॉपी नहीं चलेगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। नगर निकाय चुनाव-2026 में मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि मतदाता पहचान पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करना प्राथमिकता होगी। पहचान पत्र उपलब्ध नहीं होने पर मतदाता सूची में नाम दर्ज होने की स्थिति में 11 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से किसी एक की मूल प्रति से मतदान किया जा सकेगा। इनमें आधार कार्ड, मनरेगा/ वीबी जी राम जी जॉब कार्ड, फोटोयुक्त बैंक-पोस्ट ऑफिस पासबुक, आयुष्मान हेल्थ कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, पेंशन दस्तावेज, सरकारी/ पीएसयू कर्मचारी पहचान पत्र, सांसद-विधायक-एमएलसी पहचान पत्र और यूडीआईडी शामिल हैं। दस्तावेज 19 अगस्त 2026 से पहले जारी होना चाहिए। सॉफ्ट कॉपी या फोटोकॉपी स्वीकार नहीं होगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि मतदान और मतगणना केंद्र के भीतर फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी पर भी रोक रहेगी। सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सहायता केंद्र बनाए जाएंगे, जहां बीएलओ नाम, क्रमांक और भाग संख्या की जानकारी देंगे।

बीएपी ने 9 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

वार्ड 79 से रामलाल गमेती, 41 से चमनलाल और 42 से हेमलता गमेती मैदान में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। उदयपुर नगर निगम चुनाव को लेकर भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। पार्टी की ओर से सोमवार को जारी सूची में शहर के नौ वार्डो से प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। संगठन स्तर पर विचार-विमर्श और निर्धारित प्रक्रिया के बाद इन उम्मीदवारों को संबंधित वार्डो से पार्टी प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कराया गया है। भारत आदिवासी पार्टी की अधिकृत सूची के अनुसार वार्ड 79 से राम लाल गमेती, वार्ड 41 से चमन लाल, वार्ड 42 से हेमलता गमेती, वार्ड 43 से शांति लाल गमेती, वार्ड 13 से संतोष कटारा, वार्ड 8 से नाजमीन, वार्ड 10 से शाकिब खान, वार्ड 12 से मुजफ्फर हुसैन और वार्ड 70 से अरशद अयूब को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारा है। पार्टी की ओर से जारी अधिकृत नामांकन सूची में कहा गया है कि संगठन द्वारा विचार-विमर्श एवं निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी प्रत्याशियों को संबंधित वार्डो से पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल कराया गया है। सूची पर भारत आदिवासी पार्टी के उदयपुर जिलाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सदस्य अमित खराड़ी के हस्ताक्षर हैं।

वार्ड 30 से माकपा प्रत्याशी रानू सालवी ने भरा नामांकन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। नगर निगम उदयपुर चुनाव को लेकर माकपा की ओर से वार्ड नंबर 30 से रानू सालवी ने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान पार्टी पदाधिकारियों और समर्थकों ने मौजूद रहकर प्रत्याशी का उत्साह बढ़ाया। चुनाव अभिकर्ता फिरोज अहमद ने बताया कि नामांकन के अवसर पर माकपा जिला सचिव, चुनाव संयोजक एवं पूर्व पार्षद राजेश सिंघवी ने कहा कि भाजपा का विकल्प कांग्रेस और कांग्रेस का विकल्प भाजपा नहीं, बल्कि वास्तविक राजनीतिक विकल्प माकपा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस के बीच नूरा-कुश्ती चलती रही है और कांग्रेस ने प्रभावी विपक्ष की भूमिका नहीं निभाई। सिंघवी ने कहा कि भाजपा बोर्ड के कार्यकाल में आम मेहनतकश जनता, कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों, गरीबों और अल्पसंख्यकों के क्षेत्रों के साथ भेदभाव किया गया। उन्होंने कहा कि निगम में माकपा का एक पार्षद रहा, लेकिन पार्टी ने हमेशा जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष किया और सड़क से सदन तक वास्तविक विपक्ष की भूमिका निभाई। ठेला व्यवसायी मजदूर यूनियन के संरक्षक गुमान सिंह राव ने कहा कि रानू सालवी स्वयं पथ विक्रेता हैं और पिछले 10 वर्षों से आम जनता तथा ठेला-फुटपाथ व्यवसायियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उम्मीदवार को पार्षद बनाने से गरीब और वंचित वर्ग की आवाज निगम में और मजबूत होगी। निवर्तमान पार्षद राजेंद्र वसीटा ने कहा कि इस बार नगर निगम में माकपा अपनी ताकत बढ़ाएगी और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाएगी। नामांकन के दौरान याकूब मोहम्मद, मोहम्मद निजाम, मोहम्मद शाहिद, मोहिनी माली, संतोष सालवी, कमलेश पालीवाल, राजेंद्र खटीक, मोहम्मद अहसान, आदिल खान, कैलाश सालवी, वरजू देवी, बंशीलाल चौहान, विजय सालवी और हिमांशी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। चुनाव अभिकर्ता फिरोज अहमद ने बताया कि माकपा कार्यकर्ताओं ने वार्ड में जनसंपर्क तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

अंतिम दिन खोले भाजपा ने पत्ते, संगठन से लेकर सियासी परिवारों तक का साधा संतुलन

सामर-सिंघवी-भट्ट जैसे दिग्गज सीधे मैदान में, मंडल अध्यक्षों और महिला मोर्चा नेतृत्व को भी उतारा, कटारिया से जुड़े दो परिवारों पर भरोसा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। उदयपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा ने सोमवार को नामांकन के अंतिम दिन 80 पत्ते एक साथ खोल दिए। नामांकन का समय खत्म होने के बाद सूची आई जबकि नामांकन पहले ही कर दिए गए। पार्टी की चुनावी रणनीति की तस्वीर भी काफी हद तक साफ हो गई है। सूची में वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारने के साथ संगठन में सक्रिय पदाधिकारियों, राजनीतिक परिवारों, महिला नेतृत्व, पुराने पार्षदों और नए चेहरों के बीच संतुलन साधने की कोशिश दिखाई दे रही है। भाजपा ने वार्ड 51 से वरिष्ठ नेता प्रमोद सामर, वार्ड 24 से पारस सिंघवी और वार्ड 45 से दिनेश भट्ट को मैदान में उतारा है। वहीं वार्ड 78 से अतुल चंडालिया की उम्मीदवारी को अहम माना जा रहा है। चंडालिया का नाम पार्टी के शहर संगठन और संभावित महापौर चेहरे के तौर पर पहले भी चर्चा में रहा है। हो सकता है वे भी मौका मिलते ही महज पार्षद की बजाय आगे की राजनीतिक पारी खेलने को तैयार हों।

संगठन के कप्तानों को सीधे चुनावी मोर्चे पर उतारा

भाजपा ने संगठनात्मक ढांचे के लोगों को भी मैदान में उतारकर कार्यकर्ताओं के बीच सीधा संदेश देने की कोशिश की है। प्रताप सिंह राठौड़, विजय आहूजा और महेशपुरी गोस्वामी जैसे मंडल अध्यक्षों को टिकट मिल गया। महिला संगठन से डॉ. कविता जोशी को वार्ड 76 से चुनाव मैदान में उतारा गया है। इसका राजनीतिक अर्थ निकाला जा रहा है कि पार्टी ने चुनावी प्रबंधन की जिम्मेदारी केवल स्थानीय प्रत्याशियों पर नहीं छोड़ी, बल्कि संगठन के स्तर पर सक्रिय चेहरों को भी सीधे मतदाताओं के बीच भेजा है।

कटारिया के राजनीतिक परिवार से जुड़े दो चेहरे

सूची का सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला पहलू पूर्व केंद्रीय मंत्री और पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के परिवार से जुड़े दो नाम हैं। वार्ड 5 से आकाश वागरेचा और वार्ड 78 से अतुल चंडालिया को टिकट दिया गया है। दोनों कटारिया के दामाद के भाई बताए जा रहे हैं। अतुल चंडालिया को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा ज्यादा है। पहले शहर भाजपा अध्यक्ष की दौड़ में रहे और अब निगम चुनाव में महत्वपूर्ण वार्ड से प्रत्याशी हैं। ऐसे में चुनाव परिणाम के बाद महापौर पद के लिए संभावित चेहरों की चर्चा में उनका नाम स्वाभाविक रूप से शामिल रहेगा।

चुपके से नई पीढ़ी को थमा दी राजनीतिक कमान

भाजपा ने संगठन में लंबे समय तक प्रभाव रखने वाले परिवारों को भी नजरअंदाज नहीं किया। पूर्व देहात जिलाध्यक्ष तख्तसिंह शक्तावत के बेटे जितेन्द्र सिंह शक्तावत को वार्ड 39 से प्रत्याशी बनाया गया। पूर्व शहर जिलाध्यक्ष एवं पूर्व सभापति रवीन्द्र श्रीमाली के भतीजे जतिन श्रीमाली को वार्ड 33 से टिकट दिया गया है। इससे सूची में भाजपा की उस परंपरागत रणनीति की झलक भी दिखाई देती है, जिसमें पुराने संगठनात्मक परिवारों के राजनीतिक प्रभाव को चुनावी मैदान में उपयोग किया जाता रहा है।

युवा चेहरे को मौका, पुराने दावेदारों को झटका

वार्ड 29 में भाजपा ने वैभव भंडारी को उतारकर युवा चेहरे पर दांव लगाया है। दूसरी ओर वार्ड 44 से निगम की निर्माण समिति के अध्यक्ष रह चुके आशीष कोठारी को दोबारा मौका मिला है। यानी पार्टी ने कुछ सीटों पर अनुभव को बनाए रखा तो कुछ जगहों पर पीढ़ी परिवर्तन का संकेत दिया। इसी तरह कांग्रेस से भाजपा में आए लोकेश गौड़ की पत्नी अमिता गौड़ को वार्ड 58 से टिकट मिला है। यह फैसला उन सीटों पर भाजपा की राजनीतिक रणनीति को दिखाता है जहां दूसरे दल से आए प्रभावशाली राजनीतिक संपर्कों को भी टिकट के जरिए चुनावी समीकरण में शामिल किया गया है।

वार्ड 57 में आखिरी वक्त का बदलाव भी सूची का अहम अध्याय

वार्ड 57 का घटनाक्रम भाजपा की टिकट प्रक्रिया में सबसे अलग रहा। टिकट को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध और असंतोष के बाद अंतिम समय में निर्मला पालीवाल के नाम पर मुहर लगी। यह वही वार्ड है जहां टिकट को लेकर पैनल, रायशुमारी और अंतिम समय में आगे बढ़ाए गए नाम को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच तीखी चर्चा हुई थी। निर्मला पालीवाल के पति यशवंत पालीवाल व परिवार लंबे समय से जनसंघ व उसके बाद भाजपा से जुड़े बताए जाते हैं। 24 न्यूज अपडेट में पर्ची से टिकट देने की खबर के बाद मचे बवाल और आक्रोश को देखते हुए पार्टी ने ऐन मौके पर यहां टिकट बदला। वार्ड के कई कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन के भीतर उठी आवाज के असर के रूप में देखा।

एक सूची, कई राजनीतिक संदेश

भाजपा की पूरी सूची को देखें तो पार्टी ने मोटे तौर पर चार स्तरों पर चेहरे चुने हैं'संगठन के सक्रिय पदाधिकारी, पुराने राजनीतिक परिवार, चुनावी अनुभव रखने वाले चेहरे और नए/ युवा उम्मीदवार। इसके अलावा महिला और आरक्षित वर्गों की सीटों पर भी अलग-अलग सामाजिक समीकरणों को साधने का प्रयास दिखाई देता है। 80 वार्डों में कांग्रेस के प्रत्याशियों के सामने भाजपा ने अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं। अब चुनावी मुकाबला सिर्फ पार्टी बनाम पार्टी नहीं रहेगा। प्रत्येक वार्ड में प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़, सामाजिक समीकरण, पिछले चुनाव का प्रभाव, स्थानीय नाराजगी और बूथ स्तर का संगठन परिणाम को प्रभावित करेगा।

सूची जारी होते ही अगली चुनौती शुरू

भाजपा के लिए प्रत्याशी घोषित करना चुनावी प्रक्रिया का अंतिम नहीं बल्कि सबसे संवेदनशील चरण है। टिकट की दौड़ में शामिल रहे दावेदारों को साधना और उनके समर्थकों को पार्टी प्रत्याशी के पीछे खड़ा करना अब संगठन की पहली परीक्षा होगी। खासकर उन वार्डों में जहां टिकट को लेकर पहले से असंतोष सामने आया है, वहां बागी तेवरों को शांत करना पार्टी के लिए जरूरी होगा।

उदयपुर में 800 स्टॉल का स्वदेशी बाजार, कारोबारियों को मिलेगा बड़ा मंच

2 से 5 अक्टूबर तक आरसीए ग्राउंड में मेला-2026; 50 हजार से अधिक लोगों के पहुंचने की उम्मीद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 30 अगस्त। 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' की थीम पर उदयपुर में 2 से 5 अक्टूबर तक स्वदेशी मेला-2026 आयोजित होगा। राजस्थान कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर (आरसीए) ग्राउंड में होने वाले मेले में करीब 800 स्टॉल लगाए जाएंगे। आयोजकों को 50 हजार से अधिक लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। मेला संयोजक मनोज जोशी ने बताया कि मेले का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों, कारोबारियों और उद्यमियों को बड़ा बाजार उपलब्ध कराना है। स्टार्टअप, निर्माता, होम एवं कॉटेज इंडस्ट्री, सेवा प्रदाता, व्यापारी, स्वयं सहायता समूह और महिला उद्यमी इसमें भाग ले सकेंगे। प्रशासनिक संयोजक राज कुमार शर्मा ने बताया कि स्टॉल चार डोम में सेक्टरवार लगाए जाएंगे। इनमें एफएमसीजी, फैशन, कृषि, लाइफस्टाइल, मार्बल, निर्माण, इंटीरियर, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, शिक्षा, हॉस्पिटैलिटी और महिला उद्यमियों के लिए अलग-अलग क्षेत्र होंगे। मेले में आइडिया हैकाथॉन, बिजनेस सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आयोजन में लघु उद्योग भारती, उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, कलड़वास चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, उदयपुर मार्बल एसोसिएशन, उदयपुर मार्बल प्रोसेसर समिति, होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, होटल एसोसिएशन उदयपुर और होटल संस्थान दक्षिणी राजस्थान सहयोगी हैं। राजस्थान कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर और महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भी भागीदार हैं। तैयारियों को लेकर हुई बैठक में डॉ. अवनीश व्यास, बृजमोहन भाटी, राजेंद्र सुराणा, पुलिकता जोशी, उमाप्रताप सिंह, महेंद्र सिंह, मुकेश सिन्हा, नारायण चौधरी, अरविंद अग्रवाल, चर्चिल जैन और हितेश शर्मा मौजूद रहे। बैठक में प्रचार, स्टॉल बुकिंग और डिजिटल मार्केटिंग सहित विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। स्टॉल बुकिंग के लिए 9929693345 पर संपर्क किया जा सकता है।

उदयपुर जिले में 4.73 लाख मतदाता चुनेंगे शहरी सरकार

छह नगरीय निकायों में 190 वार्ड, 523 मतदान केंद्रों पर होगा मतदान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर उदयपुर जिले के नगरीय निकायों में मतदान की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जिले के छह नगरीय निकायों में कुल 190 वार्ड और 523 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इन सभी नगरीय निकायों में कुल 4,73,690 मतदाता मतदान करेंगे। इनमें 2,38,142 पुरुष, 2,35,529 महिला और 19 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

नगर निगम उदयपुर में सबसे अधिक मतदाता

उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि उदयपुर नगर निगम में कुल 80 वार्ड हैं। यहां 413 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें 406 नियमित तथा 7 ऑक्सिलरी शामिल हैं। नगर निगम क्षेत्र में कुल 4,16,143 मतदाता हैं। इनमें 2,09,048 पुरुष, 2,07,081 महिला और 14 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इसी प्रकार मावली में 20 वार्डों में कुल 20 मतदान केंद्र स्थापित होंगे। इसमें 8198 मतदाता वोटिंग करेंगे। इनमें 4,132 पुरूष, 4,063 महिलाएं तथा 3 ट्रांसजेण्डर मतदाता शामिल हैं। वल्लभनगर में 20 वार्डों में 20 मतदान केंद्र निर्धारित हैं। कुल 8314 मतदाता हैं, जिसमें 4222 पुरूष एवं 4092 महिलाएं शामिल हैं। भीण्डर में 25 वार्डों में 25 मतदान केंद्र रहेंगे। कुल मतदाता 13916 हैं, इनमें 7092 पुरूष, 6822 महिलाएं तथा 2 ट्रांसजेण्डर मतदाता शामिल हैं। फतहनगर-सनवाड़ में 25 वार्डों में 25 मतदान केंद्र निर्धारित हैं। इसमें कुल 17724 मतदाता वोटिंग करेंगे। इसमें पुरूषों की संख्या 8891 एवं महिलाओं की संख्या 8833 है। कानोड़ के 20 वार्डों में कुल 20 मतदान केंद्रों पर 9395 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें पुरूषों की संख्या 4757 एवं महिलाओं की संख्या 4638 है।

बड़ीसादड़ी में बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार, चार बाइक बरामद, आधा दर्जन से ज्यादा वारदातें खुलीं

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 31 अगस्त। बड़ीसादड़ी थाना पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बाइक चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों के आधा दर्जन से अधिक वारदातों में शामिल होने का खुलासा हुआ है। इनमें अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी करने के साथ बाइक लूट, विद्युत लाइन के तार और पानी की मोटर का स्टार्टर चोरी करने की वारदातें शामिल हैं। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 26 अगस्त को आमीरामा निवासी शिवालाल पुष्करणा ने बड़ीसादड़ी थाने में रिपोर्ट दी थी कि उसने 25 अगस्त की शाम करीब सात बजे अपनी बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल घर के बाहर लॉक लगाकर खड़ी की थी। सुबह करीब चार-पांच बजे बाहर आने पर बाइक गायब मिली। आसपास और गांव में तलाश के बावजूद पता नहीं चला। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह के निर्देशन और पुलिस उप अधीक्षक बड़ीसादड़ी हरिशचन्द्र सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी भगवान लाल के नेतृत्व में एएसआई हरिराम सहित पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने आमीरामा, बड़ीसादड़ी कस्बे, छोटीसादड़ी रोड, करजू मोड़ और चित्तौड़गढ़ रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। संदिग्धों से पूछताछ के बाद शिवसिंह मीणा, गजेन्द्र कुमार मीणा, नरेश मीणा और सांवरिया सिंह मीणा की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर बजाज प्लेटिना सहित चार बाइक बरामद कीं।

इन वारदातों का हुआ खुलासा

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने करीब 10 दिन पहले केवलपुरा से स्प्लेंडर प्लस, चार-पांच दिन पहले डूंगला से स्प्लेंडर प्लस तथा करीब 10 दिन पहले कानोड़ थाना क्षेत्र के नाहरपुरा से हीरो होंडा सीडी डिलक्स चोरी की थी। करीब 20 दिन पहले बड़ीसादड़ी बिजली कार्यालय के पास से स्प्लेंडर प्लस बाइक लूटने की वारदात भी सामने आई है। इसके अलावा करीब 25 दिन पहले पारसोली के पीलीखानिया गांव से पानी की मोटर का एमईएक्स स्टार डेल्टा कंपनी का स्टार्टर चोरी किया गया। करीब एक माह पहले बड़ीसादड़ी रेलवे पुलिया से लक्ष्मीपुरा रोड तक पारसोली जाने वाली 33 केवी विद्युत लाइन के खंभों से मुख्य लाइन के तार चोरी करने और करीब डेढ़ माह पहले रघुनाथपुरा के पास 11 केवी लाइन से तार चोरी करने की वारदात भी पुलिस ने उजागर की है।

गिरवी रखकर शराब और मौज-मस्ती

पुलिस के मुताबिक आरोपी संगठित गिरोह के रूप में रात के समय घरों के बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बनाते थे। चोरी की बाइक को गिरवी रखकर रकम हासिल करते और उससे कमरा किराये पर लेकर शराब पार्टी व मौज-मस्ती करते थे। आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में शिवपुरा निवासी शिवसिंह मीणा पुत्र निर्भयसिंह मीणा, पण्डेडा निवासी गजेन्द्र कुमार मीणा पुत्र उदयलाल मीणा, बोरूण्डी निवासी नरेश मीणा पुत्र शंकरसिंह मीणा तथा शिवपुरा निवासी सांवरिया सिंह मीणा पुत्र भैरूसिंह रावत मीणा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार नरेश मीणा के खिलाफ पूर्व में चोरी के दो मामले दर्ज हैं, जो न्यायालय में विचाराधीन हैं। कार्रवाई में एसआई बाबूलाल, एएसआई हरिराम, लक्ष्मीलाल, कांस्टेबल राकेश, बाबूलाल, प्रेमाराम, दिनेश, श्रवण, बाबूलाल, अचलाराम, रूपाराम, प्रेमाराम, धर्मीचन्द और रामकिशोर शामिल रहे।

24 न्यूज अपडेट की खबर का असर : पर्ची से आया नाम खारिज, भाजपा ने ऐन वक्त पर बदला वार्ड 57 का टिकट

यशवंत पालीवाल के परिवार पर भरोसा, पत्नी निर्मला पालीवाल को बनाया प्रत्याशी, मूमल कुंवर राठौड़ का टिकट अटका, कार्यकर्ताओं ने बताया अपनी जीत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। नगर निगम चुनाव में भाजपा के वार्ड 57 के टिकट को लेकर उठे विवाद में आज सुबह बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिला। 24 न्यूज अपडेट में प्रकाशित खबर के बाद पार्टी के भीतर बढ़ते विरोध का असर आखिरकार टिकट पर दिखाई दिया। भाजपा ने ऐन मौके पर पहले आगे बढ़ाए गए और फाइनल हो चुके नाम को बदलते हुए वार्ड 57 से निर्मला पालीवाल को प्रत्याशी बना दिया। उन्हें आनन-फानन में नामांकन की तैयारी करवाकर नामांकन दाखिल कराया गया। पार्टी के इस फैसले को वार्ड के कई कर्मठ कार्यकर्ता अपनी जीत के रूप में देख रहे हैं। उनका कहना है कि संगठन के लिए वर्षों से काम करने वाले कार्यकर्ताओं की आवाज आखिरकार पार्टी नेतृत्व तक पहुंची और अंतिम समय में फैसला बदला गया। वार्ड 57 में महिला सामान्य सीट होने के कारण टिकट के लिए करीब 11 महिलाओं ने दावेदारी की थी। इनमें पूर्व पार्षद सीमा साहू, पूर्व वार्ड पंच प्रियंका कुंवर शक्तावत, सुभाषिनी शर्मा, हंसा जैन, मनीला जैन और निर्मला पालीवाल सहित कई दावेदार शामिल थीं। टिकट प्रक्रिया के दौरान पैनल और रायशुमारी के बाद अंतिम नाम को लेकर कार्यकर्ताओं में असंतोष सामने आया था। इसी बीच पर्यवेक्षकों महेश भारद्वाज और चंद्रकांता बोल्या की मौजूदगी में हुई प्रक्रिया के दौरान पर्ची से एक नाम आगे आने की चर्चा ने असंतोष भड़का दिया।

इसी घटनाक्रम को लेकर 24 न्यूज अपडेट ने दो दिन पहले प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। खबर के बाद पार्टी के भीतर विरोध और मुखर हुआ। कार्यकर्ताओं के बढ़ते असंतोष के बीच भाजपा ने आज सुबह अंतिम समय में नाम बदलकर निर्मला पालीवाल को मैदान में उतार दिया। निर्मला पालीवाल के पति यशवंत पालीवाल लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उनके परिवार का जनसंघ के समय से भाजपा से जुड़ाव बताया जाता है। यशवंत पालीवाल जिला क्रिकेट संघ में उपाध्यक्ष भी हैं। निर्मला पालीवाल स्वयं भी वार्ड से दावेदारी करने वाली प्रमुख महिलाओं में शामिल थीं।

विधायक की कोशिशें भी नहीं दिला पाईं टिकट

वार्ड 57 के टिकट को लेकर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा की ओर से मूमल कुंवर राठौड़ के नाम पर मुहर लगवा दी गई थी। मगर विरोध के चलते उनके भी नहीं चली, अंतिम समय में राठौड़ नाम प्रत्याशी सूची से बाहर हो गया। विधायक की कोशिशों के बावजूद मूमल कुंवर राठौड़ को टिकट नहीं मिल पाना अब भाजपा के स्थानीय राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। मूमल कुंवर राठौड़ के पति स्वयं ग्रामीण क्षेत्र में वार्ड पंच रह चुके हैं। टिकट को लेकर पहले सामने आए घटनाक्रम में उनके नाम को लेकर कार्यकर्ताओं में असंतोष था।

'चाय पर चर्चा' से टिकट बदलने तक

दिलचस्प यह है कि टिकट प्रक्रिया के दौरान दावेदार महिलाओं के बीच 'चाय पर चर्चा' हुई थी। इसमें सभी ने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संकल्प लिया था। लेकिन टिकट को लेकर विवाद सामने आने के बाद वही एकजुटता चुनौती बन गई। अब टिकट बदलने के बाद पार्टी के सामने सभी दावेदारों और कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने की चुनौती है।

भाई साहब ने फिर कर दिया खेल ..डॉ.विप्लवी बोले— चाहे टिकट कटते रहे, मैं धर्म पथ पर अडिग हूं...ऐसा पर्यवेक्षक आया जिसको कभी भाजपा में नहीं देखा

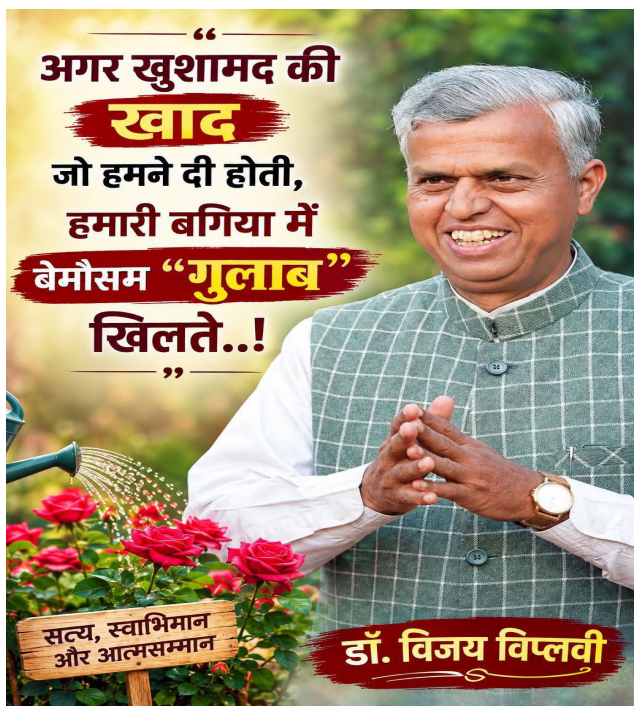

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। आज फिर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विजय प्रकाश विप्लवी ने भाई साहब के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने कहा कि भाई साहब ने टिकट वितरण के दौरान खेल खेल दिया ओर उनका टिकट कट गया। उन्होंने फेसबुक पोस्ट पर लिखा कि नगर निगम चुनाव में नामांकन के अंतिम दिन तक संगठन के प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित नहीं होने के कारण मित्रों व शुभचिंतकों के फोन आते रहे। आपके टिकट का क्या हुआ? फॉर्म कब भरोगे, पूछते रहे। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं मेरे टिकट में हर बार तरह बडे संवैधानिक पद पर आसीन "छोटे मन के बडे आदमी" ने ही बाधा खडी की । इन्होंने ही वर्ष 2009, 2014, 2019 के बाद 2026 में भी निरन्तर मेरा वार्ड सामान्य श्रेणी का होने के बाद भी मेरे को टिकट से वंचित करवाया है। सन् 2006 से वर्तमान तक मेरे पास संगठन का कोई दायित्व नहीं है। मेरे वार्ड में ऐसे पर्यवेक्षक राजकुमार चित्तोड़ा को भेजा गया, जो वर्षों से मेरे विरोधी है और उन बडे साहब के निकट है। उनके साथ आये सहयोगी पर्यवेक्षक को तो मैने कभी भाजपा में देखा तक नहीं, वे तो पूरी प्रक्रिया में चित्तोड़ा के अनुगामी बनकर बैठे रहे। संवैधानिक पद वाले बडे व्यक्ति को पीड़ा है, मैनें उनके ग्रीन हाउस की सब्सिडी में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। मैंने दस्तावेज सहित अनियमितता प्रमाणित की है, मैं चुनौती देता हूं वे मेरे द्वारा प्रस्तुत सबूतों कि खंडन करे। मेरा विरोध भ्रष्टाचार से है। न खाउंगा और न खाने दूगां। अभी चुनाव का समय है, मेरे कारण भाजपा को नुकसान हो, ऐसा कृत्य कभी नहीं करुगां। भाजपा का बोर्ड पुनः बनाना, अभी लक्ष्य है। उसकी पूर्ति प्राथमिकता है। राजनीति में पद साध्य नहीं, साधन है। पद मिले न मिले, टिकट मिले न मिले। मैं अपने वैचारिक अधिष्ठान के लिए समर्पित रहूगां। मैं अजातशत्रु दीनदयाल जी उपाध्याय के पथ का अनुगामी जिन्होंने लोकमत परिष्कार को आवश्यक बताया, उनका मत था सिद्धांत व विचारधारा पर अडिग रहकर अच्छे चरित्रवान लोगों को राजनीति में आगे बढाना चाहिये। राजनीति में बढता परिवारवाद, पैसों का बढता प्रभाव व भूव्यवसायियों का बढता दखल खतरे की घंटी है। सत्य कहना व स्वीकार करना कठिन है, पर मेरे संकल्प हे, मैं धर्मपथ पर अडिग रहूगां, भ्रष्टाचार व अनियमितता को किसी भी स्तर पर स्वीकर नहीं करुगां। आप सभी स्नेहीजनों का सद्भाव व मार्गदर्शन ही मेरा सम्बल है। आज प्रभु सांवलिया सेठ के श्रीचरणों में प्रणाम् करके प्रार्थना की है ईश्वर भ्रष्टाचार व स्वेच्छाचार से मुकाबले का साहस प्रदान करे। मैं मनोयोग से भाजपा संगठन की सेवा करता रहूं, "परम् वैभननेतुमेतवस्वराष्ट्रम् " की कामना साकार हो।

70 से अधिक प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालयों के 100 से ज्यादा प्रतिनिधि उदयपुर में, एआई, मानसिक स्वास्थ्य और मूल्य आधारित शिक्षा पर हुआ मंथन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। झीलों की नगरी उदयपुर में देशभर के प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालयों के प्रमुखों और शिक्षाविदों का तीन दिवसीय राष्ट्रीय महामंथन आयोजित हुआ। बोर्डिंग स्कूल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BSAI) का प्रिंसिपल्स कॉन्क्लेव एवं वार्षिक आम बैठक (AGM) 2026 23 से 25 अगस्त तक आयोजित की गई। सम्मेलन की संयुक्त सह-मेजबानी सेंट्रल पब्लिक स्कूल (CPS), न्यू भूपालपुरा और हेरिटेज गर्ल्स स्कूल ने की। सम्मेलन में देशभर के 70 से अधिक प्रमुख बोर्डिंग स्कूलों के 100 से ज्यादा प्रधानाचार्य एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का फोकस भारतीय आवासीय शिक्षा व्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने, शिक्षा में नवाचार, मूल्य आधारित शिक्षण और स्कूल नेतृत्व को मजबूत करने पर रहा। द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर, पाइनग्रोव स्कूल, हिमाचल प्रदेश, दून इंटरनेशनल स्कूल, देहरादून, कसीगा इंटरनेशनल स्कूल, देहरादून और यूनिसन वर्ल्ड स्कूल, मसूरी सहित देश के अनेक प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सेंट्रल पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉ. दीपक शर्मा ने देशभर से आए शिक्षाविदों और अतिथियों का स्वागत किया। CPS की चेयरपर्सन डॉ. अलका शर्मा तथा हेरिटेज गर्ल्स स्कूल के निदेशक श्रेयांश भंडारी ने BSAI की मैनेजमेंट कमेटी एवं विशिष्ट अतिथियों को शॉल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। BSAI अध्यक्ष कैप्टन ए. जे. सिंह, बोर्ड सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल सुरेंद्र कुलकर्णी, विनय पांडे, रणनीतिक सलाहकार भाविन शाह, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सपना सुकुल तथा बोर्ड सदस्य डॉ. माधव देव सारस्वत, जयंत हरीहर लाल और विदुकेश विमल मौजूद रहे। एआई से मानसिक स्वास्थ्य तक भविष्य की शिक्षा पर चर्चा तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न तकनीकी सत्रों और पैनल चर्चाओं के माध्यम से आवासीय शिक्षा के बदलते स्वरूप पर मंथन हुआ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के शिक्षा में एकीकरण, विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आधुनिक तकनीक, मूल्य आधारित शिक्षा और आवासीय विद्यालयों के समग्र प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

उदयपुर में एवीवीएनएल के जेईएन को 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 31 अगस्त 2026। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. उदयपुर इकाई द्वारा आज कार्रवाई करते हुए आरोपी श्री सागर मीणा, जेईएन, एवीवीएनएल ऑफिस देबारी, उदयपुर को परिवादी से 10,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस श्री गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. उदयपुर को एक शिकायत इस आशय की प्राप्त हुई कि परिवादी के गांव खाम की मादड़ी स्थित निर्माणाधीन मकान पर घरेलू विद्युत कनेक्शन करने की एवज में श्री सागर मीणा, जेईएन, एवीवीएनएल ऑफिस देबारी, उदयपुर द्वारा रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। परिवादी ने कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर में शिकायत प्रस्तुत की कि उसके निर्माणाधीन मकान पर घरेलू विद्युत कनेक्शन की आवश्यकता होने पर उसने ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके पश्चात दिनांक 18.08.2026 को आरोपी श्री सागर मीणा, जेईएन एवं लाइनमैन प्रेमजी द्वारा मौके पर पहुंचकर सर्वे किया गया तथा विद्युत कनेक्शन के लिए डीपी एवं पोल लगाए जाने की आवश्यकता बताई गई। परिवादी के अनुसार आरोपी श्री सागर मीणा, जेईएन ने सरकारी डिमांड राशि के अतिरिक्त 35,000 रुपये खर्चा-पानी के रूप में देने की मांग की। इस संबंध में परिवादी अपने मित्र के साथ आरोपी से मिला। बातचीत के दौरान आरोपी द्वारा रिश्वत राशि कम करते हुए 15,000 रुपये रिश्वत राशि की मांग की गई तथा कहा गया कि जब तक राशि नहीं दी जाएगी, तब तक फाइल आगे नहीं बढ़ेगी। परिवादी की शिकायत के संबंध में रिश्वत राशि मांग का सत्यापन करवाया गया, जिसमें आरोपी श्री सागर मीणा, जेईएन द्वारा रिश्वत राशि की मांग की पुष्टि हुई। मांग सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा अपने कार्यालय में परिवादी से विद्युत कनेक्शन के लिए 5,000 रुपये रिश्वत राशि प्राप्त कर ली गई तथा शेष 10,000 रुपये बाद में लेना तय किया गया।

जिस पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उप महानिरीक्षक पुलिस, डॉ रामेश्वर सिंह के पर्यवेक्षण में श्री अनन्त कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर के निर्देशन में श्री रामसुमेर मीणा, पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा ट्रेप कार्रवाई आयोजित की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी को अपने कार्यालय में परिवादी से शेष 10,000 रुपये नकद रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

ए.सी.बी. की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक श्रीमती एस. परिमला के पर्यवेक्षण में आरोपी श्री सागर मीणा के उदयपुर एवं बांसवाड़ा स्थित आवासीय मकान एवं फ्लैट की सघन तलाशी के साथ-साथ आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। ए.सी.बी. द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

उचित मूल्य दुकानों के लिए आवेदन 7 सितंबर तक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। जिला रसद कार्यालय उदयपुर प्रथम एवं द्वितीय द्वारा रिक्त एवं नवसृजित उचित मूल्य दुकानों के पात्र आवेदकों को आवंटन के लिए गुरूवार 13 अगस्त को विज्ञापन जारी किया गया था। जिला रसद अधिकारी मणि खींची ने बताया कि इन दुकानों के लिए आवेदन पत्र सोमवार 7 सितंबर तक जिला रसद कार्यालय में 100 रुपए का पोस्टल ऑर्डर जमा कर प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि शुक्रवार, 30 सितंबर है। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि तहसील बड़गांव की बड़ी, वाटी बी, तहसील भीण्डर की फुसरिया, सालेड़ा, भावपुरा, कुंथवास तथा नगर पालिका भीण्डर के वार्ड-01 एवं वार्ड-02 की दुकानें शामिल हैं। नगर निगम उदयपुर में वार्ड 22 पुराना/ 37 नया, वार्ड 24 पुराना/ 56 नया, वार्ड 35 पुराना/ 45 नया, वार्ड 40 पुराना/ 15 नया तथा वार्ड 05 पुराना/ 06 नया की दुकानें शामिल हैं। इसी प्रकार तहसील मावली में लोपड़ा, फलीचड़ा, भीमल, वार्ड-09 फतहनगर-सनवाड़, तहसील बारापाल में सेठजी की कुण्डाल, तहसील कुराबड़ में कुराबड़-ए, साकरोदा, वल्लभ, पाड़ा खादरी, खारवा, तहसील कोटड़ा में डांग-बी, गोगरूद्ध, दोतड़, गुरा ढेढमारिया, साण्डमारिया बी, मालवा का चौरा बी, डुंगरियां, जोगीवड़-बी तथा तहसील फलासिया में मादला एवं लथूनी की दुकानें शामिल हैं। इसके अलावा तहसील झाड़ोल में काडा, तहसील ऋषभदेव में कटेव एवं गोडियावाड़ा, तहसील गोगुन्दा में मजावड़ी-।।, तहसील सायरा में नान्देशमा तथा तहसील खैरवाड़ा में बड़ला-ए की दुकानें भी शामिल की गई हैं।

जगदीश चौक में 6 सितंबर को फूटेगी 26 फीट ऊंची दधिका मटकी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 अगस्त। धर्मोत्सव समिति उदयपुर की ओर से जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में जगदीश चौक प्रांगण में आयोजित होने वाली दधिका मटकी फोड़ प्रतियोगिता की तारीख में बदलाव किया गया है। अब यह प्रतियोगिता 5 सितंबर के बजाय 6 सितंबर 2026, रविवार को आयोजित होगी। समिति के प्रवक्ता राजेंद्र सेन ने बताया कि जगदीश मंदिर पुजारी परिषद के आग्रह पर समिति अध्यक्ष दिनेश मकवाना के साथ हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। 4 सितंबर को जगदीश मंदिर में जन्माष्टमी पर्व मनाया जाएगा, जबकि 5 सितंबर को मंदिर प्रांगण में ढाढ़ा-ढाढीन नृत्य, भजन-कीर्तन और भगवान जगन्नाथ स्वामी के विशेष श्रृंगार के दर्शन सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। 6 सितंबर को सुबह 10:15 बजे पंडित नरोत्तम व्यास दधिका मटकी का विधिवत पूजन करेंगे। इसके बाद क्रेन की सहायता से 26 फीट ऊंची मटकी को जगदीश चौक प्रांगण में लटकाया जाएगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।